

मोदी रविवार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के दौसा खंड का करेंगे उद्घाटन, सोमवार को जाएंगे कर्नाटक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजस्थान और सोमवार को कर्नाटक का दौरा करेंगे कई राजमार्ग और दूसरी विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के अलावा बेंगलुरु में एयरो इंडिया प्रदर्शनी के 14वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी 12 फरवरी को राजस्थान के दौसा में आयोजित कार्यक्रम में 18,100 करोड़ रुपये से अधिक की सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित करेंगे। श्री मोदी वहां दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे के दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 246 किलोमीटर लंबे



दिल्ली-दौसा-लालसोट खंड को 12,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किया गया है। इसके बनने से दिल्ली से जयपुर की यात्रा में पांच घंटे की जगह लगभग 3.5 घंटे लगेंगे। श्री मोदी 13 फरवरी को बेंगलुरु के येल्हका में वायु सेना केंद्र में एयरो इंडिया 2023 के 14वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। एयरो इंडिया 2023 का विषय “द रनवे टू ए

विलियन अपॉर्चुनिटीज” (एक अरब संभावनाओं की हवाई-पट्टी) है। यह प्रदर्शनी 17 फरवरी तक चलेगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि एयरो इंडिया 2023 में स्वदेशी उपकरणों, प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने और विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी करने पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। इसका आयोजन प्रधानमंत्री के स्मैक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप किया जा रहा है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे 1,386 किमी की लंबाई के साथ भारत

का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे होगा। इससे दिल्ली और मुंबई के बीच सड़क मार्ग से यात्रा की दूरी 12 प्रतिशत कम होकर वर्तमान 1,424 किमी से 1,242 किमी हो जाएगी और यात्रा का समय 24 घंटे से 12 घंटे हो जाएगा। यह छह राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगी और कोटा, इंदौर, जयपुर, भोपाल, वडोदरा और सूरत जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। यह एक्सप्रेसवे 93 पीएम गति शक्ति आर्थिक नोड्स, 13 बंदरगाहों, आठ

प्रमुख हवाई अड्डों और आठ मल्टी-मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) के साथ-साथ जेवर हवाई अड्डे, नवी मुंबई हवाई अड्डे और जेएनपीटी बंदरगाह जैसे नए आने वाले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों को भी सेवा प्रदान करेगा।

दौसा में होने वाले कार्यक्रम में श्री मोदी 5940 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली 247 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इसमें बांदीकुई से जयपुर तक 2000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली 67 किलोमीटर लंबी चार लेन की स्पर सड़क, लगभग 3775 करोड़ रुपये की लागत से विकसित होने वाली कोटपूतली से बड़ाओदानियो तक छह लेन की स्पर सड़क शामिल है और लगभग 150 करोड़ रुपये की लागत से लालसोट-करौली खंड के दो लेन पेल्ड शोल्डर का विकास किया जा रहा है। बेंगलुरु में विमान उड़ोगी प्रदर्शनी में अत्याधुनिक डिजाइन (अभिकल्पना) , मानव रहित विमान (यूएवी), रक्षा अंतरिक्ष और भविष्य की कई सरकारी वाहनों को तोड़ दिया था। कई हमलावर चेहरा छुपा कर हमला कर रहे थे।

कोटा में गाड़ी की टक्कर से बारहसिंघा की मौत

कोटा। राजस्थान के कोटा में वन कर्मचारियों की हड़ताल के बाद शहर के नयापुरा क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से वन्यजीव बारहसिंघा की मौत की पहली घटना सामने आई है।

मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह किसी समय नयापुरा क्षेत्र में स्थित सैन्य परिसर में बड़ी संख्या में रहने वाले हिरण, बारहसिंघा आदि में से एक बारहसिंघा भटकता हुआ स्टेशन से अंटाघर की ओर जाने वाले रास्ते पर आ गया जहां तड़के किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया है कि काफी देर तक यह बारहसिंघा घायल अवस्था में सड़क पर ही पड़ा तड़पता रहा लेकिन किसी ने उसकी सुध नहीं ली। सुबह करीब 8 बजे नयापुरा थाना पुलिस को जब बारहसिंघा के घायल पड़े होने की सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि उस समय तक वह बारहसिंघा जीवित था। पुलिसकर्मी घायल बारहसिंघा को घटनास्थल के पास ही स्थित पुराने चिड़ियाघर लेकर गए लेकिन वहां पशु चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

है, जहां अधोसंरचनात्मक कार्यों का उल्लेख किया जा रहा है। विकास उपवन लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे रोज ऐसे अलग-अलग जिलों के नवाचार से इसलिए परिचित करा रहे हैं, ताकि अपने गांव के विकास के लिए केवल सरकार ही योजनाएं नहीं बनाए, बल्कि जनता भी अपनी तरफ से बेहतर करने को प्रेरित हो। कुछ जगह आंगनबाड़ियों को एंजेंट करके वहां चीजों की आपूर्ति कराई जाए।

बहुउल्लेखनीय हैं विकास यात्राएं, हर जगह हो रहे नवाचार : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि विकास यात्राएं बहुउल्लेखनीय हैं, जिनमें हर स्थान पर नवाचार हो रहे हैं। श्री चौहान ने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि वे रोज उन सभी नवाचारों का जिक्र कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है प्रदेश में जो अच्छी चीज हो रही है उसको पूरे प्रदेश को बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीधी जिले में हर गांव में 9 ऐसे लोग छांटे जा रहे हैं, जो उत्कृष्ट काम करते हैं। उन सभी को ग्राम रत्न सम्मान दिया जा रहा है। एरा प्रथा के उन्मूलन के लिए संकल्प दिया जा रहा है। मोटे अनाज के संग्रहण और उसके उत्पादन के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आनंद उपवन से पर्यटन केंद्र भी कुछ गांव में स्थापित करने का संकल्प लिया जा रहा है। श्री चौहान ने बताया कि नरसिंहपुर जिले में एनीमिया मुक्त नरसिंहपुर अभियान चलाया जा रहा है। जाति प्रमाण पत्रों का वितरण किया जा रहा है, ताकि बच्चों को भटकना न पड़े। भू अभिलेख शुद्धिकरण का अभियान भी चल रहा



है। आयुष्मान और आधार कार्ड के शिविर लगाए जा रहे हैं। कटनी जिले में फाइलरिया उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। दवा का सेवन करने के लिए शपथ दिखाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भोपाल जिले में निरुशुल्क जांच स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सफाईकर्मियों का सम्मान करने के काम भी कई जगह हाथ में लिए गए हैं। देवास जिले में विकास की दीवार बनाई

3 लाख करोड़ के इंजन-डिब्बे लेगा रेलवे

नई दिल्ली। रिकॉर्ड बजट आवंटन मिलने के बाद रेल मंत्रालय की आगामी वित्तीय वर्ष में 3.14 लाख करोड़ डॉलर के नए रोलिंग स्टॉक (इंजन और डिब्बे) हासिल करने की योजना है। यह रेलवे के वार्षिक रोलिंग स्टॉक कार्यक्रम 2023-24 (वित्त वर्ष 24) के तहत प्राप्त किया जाएगा। रेलवे की वित्त वर्ष 24 में 300 वंदे मेंट्रो ट्रेन, 1000 आठ डिब्बे वाली वंदे भारत ट्रेन, 35 हाइड्रोजन ट्रेन और माल ढुलाई बढ़ाने के लिए इंजन सहित अन्य को हासिल करने की योजना है। सूत्रों के मुताबिक वित्त वर्ष 24 में प्राथमिक संपत्ति को हासिल करने की लागत 1.9 लाख करोड़ रुपए के करीब आएगी। अत्यधिक व्यय वाली योजनाओं को सामान्य तरीके से आगे बढ़ाया गया है। रेलवे की योजना वित्त वर्ष 24 में महंगी योजनाओं जैसे वंदे भारत और हाइड्रोजन ट्रेन को संचालित करना है। निविदाएं जारी होने और ठेके दिए जाने के बीच अगले वित्त वर्ष में रोलिंग स्टॉक की इन नई परिसंपत्तियों पर शुद्ध पूंजीगत व्यय करीब 47,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। निर्मला सीतारमण ने अपने संबोधन में रेल मंत्रालय को 2.4 लाख



करोड़ रुपए का बजटीय आवंटन करने की घोषणा की थी। इसके लिए रेलवे को बाजार से राशि नहीं जुटानी होगी बल्कि कई प्रस्तावों के लिए राशि का रुपया जुटाया जा सकता है। कोविड प्रतिशत ऋण के जरिए जुटाया जाएगा। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, रेलवे को इस तरह धन जुटाने की संभावित योजना की स्वीकृति मिली है। इसलिए यह भी संभव है कि इस कार्यक्रम में उल्लेखित तरीकों की तरह ही धन नहीं जुटाया जाए। इन

परिसंपत्तियों के लिए बड़ी राशि के भुगतान की शुरुआत वित्त वर्ष 25 में होगी, उस समय में बाजार उधारी से रुपया जुटाया जा सकता है। कोविड 19 के दौरान यात्रियों की संख्या कम होने के कारण रेलवे का ध्येय मुख्यतौर पर माल ढुलाई पर था लेकिन अब इसने फिर मुसाफिरों की सुविधाओं व आराम पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। रेलवे को 1000 आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन खरीदने की लागत

65,000 करोड़ रुपए आएगी। इसमें बजटीय कोष से आवंटित 35,000 करोड़ रुपए ट्रांसपोर्ट से मिलने की उम्मीद है जबकि 30,000 करोड़ रुपए ऋण के जरिए जुटाए जाएंगे। हालांकि इस योजना को वित्त वर्ष 24 में 10,000 करोड़ रुपए की 'टोकन फंडिंग' ही मिली है। रेलवे की योजना 27,500 करोड़ रुपए के 10,000 लिंके हॉफमैन बुश (एलएचबी) डिब्बे हासिल करने की है जिसके लिए आधी राशि के पूंजीगत व्यय और उधारी को स्वीकृति मिली है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पहले ही वंदे भारत मेट्रो की घोषणा कर चुका है। उनकी योजना इस वंदे भारत मेट्रो को देशभर के शहरों के बीच शुरू करने की है। इससे में मुसाफिरों को शहरों के बीच आवाजाही के लिए वैश्विक स्तर की सुविधाएं मिलेंगी। इन मेट्रो की 300 रैक का मूल्य 22,500 करोड़ रुपए आएगा।

होने के कारण रेलवे का ध्येय मुख्यतौर पर माल ढुलाई पर था लेकिन अब इसने फिर मुसाफिरों की सुविधाओं व आराम पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। रेलवे को 1000 आठ कोच वाली वंदे भारत ट्रेन खरीदने की लागत

चंडीगढ़ पुलिस ने हमला, तोड़फोड़ व पथराव करने वालों के फोटो किये जारी, सूचना देने वाले को 10 हजार रुपए का इनाम

चंडीगढ़। चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर पर 8 फरवरी को बंदी सिखों की रिहाई के लिए किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प के बाद यूटी पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के फोटो सार्वजनिक किए हैं। इन प्रदर्शनकारियों के बारे में जानकारी देने वालों को 10 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा कर दी है। यूटी पुलिस ने कहा है कि नाम बताने वाले की जानकारी पूरी तरह गोपनीय रहेगी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के बारे में जानकारी देने के लिए ईमेल पितदव.63/हर्दपस. बवउ या वॉट्सएप नंबर 98759-84001 जारी किया है। बता दें कि सेक्टर-36 थाना पुलिस ने घटना को लेकर हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। पुलिस ने 10 हमलावरों की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें से 3 के नाम नाम हरदीप सिंह बराड, हरमनदीप सिंह तुफान और लुधियाना का सतवंत सिंह संघू है। बता दें कि इस हिंसक प्रदर्शन में चंडीगढ़ पुलिस के कई जवान घायल हो गए थे। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी वाहनों को तोड़ दिया था। कई हमलावर चेहरा छुपा कर हमला कर रहे थे।

दिल्ली हवाई अड्डा : आरबीआई के ‘फर्जी दस्तावेज ले जाने के आरोप में 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली। चेन्नई जाने वाले तीन भारतीय यात्रियों को दिल्ली हवाईअड्डे पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने कथित तौर पर आरबीआई के 'फर्जी दस्तावेज ले जाने और इनके बारे में पूछताछ करने वाले बल के एक जवान को रिश्वत की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को दिल्ली पुलिस ने जालसाजी और आधिकारिक दस्तावेज की नकल से संबंधित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। सीआईएसएफ के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) हरि किशन ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल तीन पर शुक्रवार शाम यात्री की सुरक्षा जांच के दौरान भारत के राजकीय प्रतीक अशोक स्तंभ से लिए गए शेर के चिह्न, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 'लोगो और भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के नाम वाले एक 'जाली' दस्तावेज के साथ संदिग्ध 'दस्तावेजों' का पता लगाया। सीआईएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया, "जब यात्रियों से इन दस्तावेज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संतोषजनक

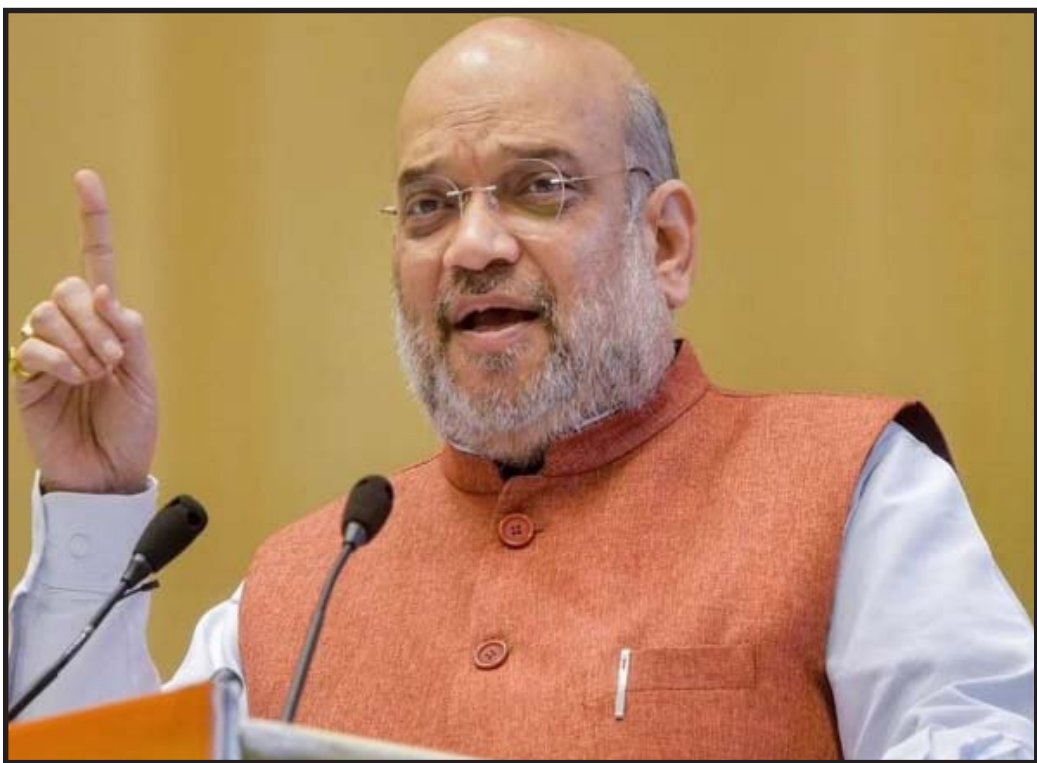


जवाब नहीं दिया और उन्होंने एएसआई हरि किशन को उन्हें जाने देने के लिए तीन लाख रुपये की रिश्वत की पेशकश की। अधिकारी ने उन्हें फटकार लगाई और हवाई अड्डे पर अपने बरिष्ठों को सूचित किया। ' चेन्नई जाने वाले तीन यात्रियों को सीआईएसएफ के कर्मियों ने स्पाइसजेट से उतारने के

बाद हिरासत में लिया। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की और आगे की जांच के लिए तीनों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि सीआईएसएफ महानिदेशक ने प्रशंसनीय कार्य करने वाले एएसआई हरि किशन को नकद इनाम देने की घोषणा की है।

राजग सरकार कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में उग्रवाद, नक्सलवाद को नियंत्रित करने में सफल रही : अमित शाह

हैदराबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं, पूर्वोत्तर में उग्रवाद और वामपंथी नक्सलवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है। शाह ने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 74वें बैच के परिरीक्षाधीन अधिकारियों की दीक्षांत परेड को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की एजेंसियों के नेतृत्व में पूरे देश में पुलिस बलों ने 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे संगठन के खिलाफ एक ही दिन में एक सफल अभियान संचालित किया। उन्होंने कहा, 'सरकार आठ साल बाद जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं, पूर्वोत्तर में उग्रवाद और वामपंथी नक्सलवाद को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रही है। उन्होंने कहा, 'हाल में 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पर प्रतिबंध लगाकर हमने दुनिया के सामने एक सफल उदाहरण पेश



किया है। शाह ने कहा, "इससे पता चलता है कि लोकतंत्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कितनी मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को कतई बढ़ावा नहीं देने की नीति, आतंकवाद विरोधी कानूनों के लिए मजबूत ढांचे,

एजेंसियों को मजबूत किए जाने और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण आतंकवाद संबंधी घटनाओं में कमी आई है। शाह ने कहा कि पिछले सात दशकों के दौरान देश ने आंतरिक सुरक्षा में कई उतार-चढ़ाव और कई

चुनौतीपूर्ण समय देखे हैं। दीक्षांत परेड में 166 आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी प्रशिक्षुओं और विदेशों से 29 अधिकारी प्रशिक्षुओं सहित कुल 195 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

मोदी रविवार को करेंगे महर्षि दयानंद के 200वीं जयंती वर्ष के कार्यक्रमों का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में वर्ष भर चलने वाले समारोह का रविवार को उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार दिल्ली में सुबह 11 बजे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम आयोजित उद्घाटन समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री एक सभा को भी संबोधित करेंगे। महान समाजसुधारक एवं आध्यात्मिक हस्ती महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म 12 फरवरी, 1824 को हुआ था। उन्होंने उस समय प्रचलित सामाजिक असमानताओं का मुकाबला करने के लिए 1875 में आर्य समाज की स्थापना की थी। आर्य समाज ने सामाजिक सुधारों और शिक्षा पर जोर देकर देश की सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार समाज सुधारकों और महत्वपूर्ण व्यक्तियों, विशेष रूप से उन लोगों का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है जिनके योगदान के लिए अभी तक अखिल भारतीय स्तर पर कृतज्ञता प्रकट नहीं की गयी है। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने आदिवासी नेता एवं स्वाधीनता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करने से लेकर श्री अरविंदो की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए हैं और प्रधानमंत्री इस तरह की पहल का नेतृत्व कर रहे हैं।



राष्ट्रपति ने पेश की भक्ति की मिसाल, आम भक्तों की तरह नंगे पांव पैदल चलकर पहुंची महाप्रभु लिंगराज के दरबार

भुवनेश्वर। ओडिशा की यात्रा पर आर्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को लिंगराज मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति राजभवन से निकलकर लिंगराज मंदिर गयीं। मंदिर के पास पहुंचकर वह बिन्दुसागर गयीं और अपने पैर धोए। बिंदुसागर से वह नंगे पैर ही देवताओं के दर्शन और प्रार्थना करने के लिए लिंगराज मंदिर गईं। राष्ट्रपति के साथ ओडिशा के राज्यपाल प्रोफेसर गणेशी लाल भी थे। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों से भी बातचीत की। श्रीमती मुर्मू के दौरे के महेनजर मंदिर के अंदर और बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंदिर को खूबसूरती से सजाया गया था और राष्ट्रपति के स्वागत के लिए पारंपरिक जनजातीय नृत्य, गीत और संकीर्तन का आयोजन किया गया था। राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के दोनों ओर खड़े थे। मंदिर के पंडितों ने बताया कि श्रीमती मुर्मू ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा की और भगवान लिंगराज का जलाभिषेक किया। उन्होंने मंदिर परिसर में मां गौरी, मां भुवनेश्वरी, सिंधी विनायक के मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की। वहां से राष्ट्रपति कटक में राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, विद्याधरपुर के लिए रवाना हुईं। वह कटक में आईसीएआर-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में दूसरी भारतीय चावल कांग्रेस का उद्घाटन करने वाली हैं। राष्ट्रपति सीआरआरआई कार्यक्रम के बाद आज ही दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी।

सम्पादकीय

पेंशन की फांस

पिछले दिनों गैर-भाजपा शासित राज्यों में पुरानी पेंशन योजना को लागू करके जो राजनीतिक ब्रह्मसूत्र चलाया है, उससे केंद्र की भाजपा सरकार असंत है। आर्थिक सुधारों व वित्तीय संतुलन की कवायद के बीच पुरानी पेंशन के देशव्यापी बोझ से अर्थव्यवस्था के दबाव में आने की आशंका जाने-माने अर्थशास्त्री जता रहे हैं। पिछले दिनों हिमाचल के चुनाव में ओल्ड पेंशन बंधन सिपासी मुद्दा बना, भाजपा ने उसकी कीमत भी चुकाई। बताते हैं कि पेंशन योजना लागू होने से राज्य पर नई पेंशन के मुकाबले चार गुना वित्तीय बोझ बढ़ेगा। ऐसे में पहले ही कर्ज में डूबी सरकारों वित्तीय सुशासन स्थापित कर पाएंगी, इस बात में संदेह है। वहीं केंद्र की तत्पर से कोई वित्तीय सुधारों की बारंभी नहीं कही गई है। पिछले दिनों कांग्रेस शासित राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, हिमाचल व पंजाब सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू की है। दरअसल, 18 साल पहले पुरानी पेंशन योजना को बदलकर नई पेंशन योजना को लागू किया गया। पुरानी पेंशन का निर्धारण मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर होता था। जबकि नई पेंशन योजना हेतु कर्मचारी के वेतन से काटे गए अंश से ही पेंशन दी जाती है। उसकी कोई न्यूनतम सीमा नहीं होती है और सेवा अवधि कम होने पर यह थोड़ी रह जाती है। कर्मियों के वेतन से काटे पैसे का पचासी फीसदी सरकारी प्रतिभूतियों तथा बाकी प्रद्वर फीसदी खुले बाजार में निवेश किया जाता है, जिसकी आय से कर्मियों को पेंशन का भुगतान होता है।

निसिन्दह, जीवन भर नीकरी के जरिये सेवा करने वाले व्यक्ति को बुद्धिमान के लिये आर्थिक संरक्षण जरूरी है। ये लोककल्याणकारी सरकारों का दायित्व भी होता है। लेकिन लोककल्याण का मतलब ऐसा भी नहीं होना चाहिए कि देश की हालत श्रीलंका व पाकिस्तान जैसी हो जाए। इस योजना से कर्मचारियों में उत्साह है और अन्य राज्यों में भी कर्मचारी संगठन इसे लागू करवाने के लिये दबाव बना रहे हैं। चिंता जताई जा रही है कि कहीं ये मुद्रा अस्थिर आम चुनाव में भाजपा के लिये मुश्किलें पैदा न कर दे। वहाँ दूसरी ओर देश के कई जाने-माने अर्थशास्त्री और योजना आयोग के पूर्ण ड्यूटी चेयरमैन मॉर्टेक सिंह अहलुवालिया ओल्ड पेंशन योजना को अव्यावहारिक व भविष्य में इसका कंगाली लाने वाला बता चुके हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा कि इसका परिणाम यह होगा कि दस साल बाद वित्तीय अराजकता पैदा हो जाएगी। उनके बयान के बाद इस मुद्दे पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है। कांग्रेस की मनमोहन सरकार के दौरान योजना आयोग के डेप्टी चेयरमैन रहे अहलुवालिया नब्बे के दशक के बाद के तीन दशकों में देश के आर्थिक सुधार कार्यक्रमों से गहरे तब क जुड़े रहे हैं। वे लुभावांगी राजनीति करने वाले नेताओं को चेता चुके हैं कि एक अर्थशास्त्री के नाते मैं कहूंगा व ऐसे कदम उठाने से बचें जो भविष्य में वित्तीय तबाही के कारक बन सकते हैं। दरअसल, अर्थशास्त्री मानते हैं कि देश की जनता को जागरूक करने की जरूरत है कि इस फैसले की भविष्य में हमें कीमत चुकानी पड़ेगी और विकास के हिस्से का धन गैर-उत्पादक कार्यों में खर्च होगा।

स्वाधीन सपने हूँ, सुख नाही यह लोकोक्ति हर स्वाभिमानो आदमी और ही स्वतंत्रता प्रेमी व्यक्ति को याद रहती है। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में स्वतंत्रता अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह तानने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता के बिना मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से जी जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है। एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उपयोगी साधन तलाश कर सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं, पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है, वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी स्पंदन रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कभी से डूब गया है और अपने देश में खजाने चलाते के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल, साइंस, इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज, स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भरता के साथ विकास देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है। जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने

हूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं, पाकिस्तानी की स्थिति बिल्कुल ऐसी है। वह अब तक स्वतंत्रता के बाद से 75 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्ज से ढूँढ गया है और अपने देश में खराब विकास के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज, स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की ज़िजीविषा है जिसे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने

राजस्थान के मुख्यमन्त्री शशोक गहलोत ने राज्य विधानसभा के चुनावी वर्ष में अपनी सरकार का अंतिम बजट रख दिया।
हुए अजय युवाओं, गरीबों, महिलाओं, किसानों व औसत किसान के लिए अपने खजाने का मुंह खोलते हुए विभिन्न कल्याणकारी स्कीमों व फैंसलों की जानकारी दी। सबसे बड़ा फैंसला उन्होंने गरीब वर्ग के लोगों को उज्जला योजना के तहत गैस सिलेंडर पांच सौ रु. में देने का किया जिससे इस समुदाय की महिलाओं में भारी उत्साह

देखा जा रहा है। महिलाओं को उन्होंने राज्य परिवहन की बसों में सफर कराने पर आधे किराये की छूट देने की घोषणा भी की। साथ ही छोटे किसानों को दो हजार यूनिट तक बिजली मुफ्त देने का एलान भी किया। इसके साथ ही महिलाओं को सिलाई मशीन खरीदने के लिए पांच हजार रु. की मदद भी दी जायेगी। अब घरेलू उपभोक्ताओं को प्रति माह 100 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी जबकि पहले यह 50 यूनिट थी। चिरंजीवी स्वास्थ्य योजना के तहत

अब बीमा राशि दस लाख रु. से बढ़ाकर 25 लाख रु. कर दी गई है। राज्य में परीक्षाओं के पेपर लीक होने का समस्या का निवारण श्री गहलोत ने इस प्रकार किया है कि अब परीक्षार्थी को केवल एक बार ही पंजीकरण फीस देनी होगी चाहे उसे परीक्षा एकाधिक बार देने की पड़े। राज्य में उच्च शिक्षा को सस्ती बनाने के लिए गहलोत सरकार ने शोध करने वाली छात्राओं को तीस हजार रु. की धनराशि देने का प्रावधान भी किया है और युवा

कोष विकास के लिए पांच सौ करोड़ रु. का प्रावधान किया है। कक्षा 12 तक प्रत्येक छात्र-छात्रा को मुफ्त शिक्षा देने का वादा भी गहलोल ने किया है और प्रत्येक छात्रा को बिजली चालित स्कूटी देने का भी वचन दिया गया है। अब छात्र 75 कि.मी. तक मुफ्त सफर भी कर सकेंगे। समाज के सबसे निचले तबके के लोगों को पक्की सरकारी नौकरी देने का वादा भी उन्होंने किया है और प्रावधान किया है कि पक्के सफाई कर्मचारियों की तीस हजार भर्तियाँ होंगी। गहलोल सरकार ने राज्य में नये मेडिकल व तकनीकी कालेज खोलने का भी वचन दिया है और बजट में वादा किया है कि जोधपुर में मारवाड़ मेडिकल विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी व जयपुर में इन्फेक्टनोलोजी कालेज खोला जायेगा। इनके अलावा दो और मेडिकल कालेज खोले जायेंगे। इन घोषणाओं से स्पष्ट है कि श्री गहलोल चुनावी वर्ष में हर समुदाय को प्रसन्न करना चाहते हैं। मगर उनकी इन घोषणाओं की पीछे बहुत सोची दुसमझी रणनीति भी है जो कि गरीबों को मदद करने व युवा वर्ग की पढ़ाई का आर्थिक बोझ कम करने की है।

इस णनीति का स्वागत राज्य के लोग किस प्रकार करेंगे यह तो आने वाला समय ही बतायेगा मगर इतना निश्चित है कि राज्य की 48 प्रतिशत महिलाओं का आबादी उनकी बजट घोषणाओं से सबसे ज्यादा प्रसन्न हैं। राजस्थान देश के गिने दृष्टी राज्यों में है जिसकी विकास दर 11 प्रतिशत से ऊपर है। मगर इसके बावजूद इसके वित्तीय साधन सीमित ही हैं। जीएसटी व्यवस्था लागू होने के बाद से राज्यों के आय स्रोत ही न केवल नियन्त्रित हुए हैं बल्कि इनकी स्वयं राजस्व एकत्र

करने की शक्ति भी बहुत कीण हो गई है। देखने वाली बात केवल यह है कि भारत के विभिन्न राज्य इस व्यवस्था में किस प्रकार अपना चहुँपुछी विकास करने में समर्थ हो पाते हैं। क्योंकि राज्यों के पास केवल पेट्रोल व मदिरा ही ऐसे दो मुख्य उत्पाद बचे हैं जिन पर ये मनामाणा शुल्क लगा सकते हैं। यह भी देखने वाली बात होगी कि श्री गहलोत इन रियायतों का समायोजन राज्य बजट में किस प्रकार करते हैं। जिससे राजस्व घाटा न बढ़ सके। पहले ही राज्य कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर चुके हैं। इसी मद में सरकार को भारी खर्च करना पड़ेगा। जबकि केन्द्र से उनके राज्य के हिस्से की दर नराशि अभी तक पूरी नहीं आयी है। मगर श्री गहलोत को राजनीति का जादूगर भी कहा जाता है। उनति समक्ष स्थितिहाल सबसे बड़ी चुनौती आगामी फिलम्बर महीने में होने वाले विधानसभा

युनाव जीत कर पुनः कांग्रेस की सरकार बनवाया है। इस मोर्चे पर भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हैं क्योंकि एक तरफ उन्हें भाजपा से लड़ना है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के भीतर ही सविनय पोयलट गुट से भी लड़ना है। हालांकि यह लड़ाई खुले रूप से नहीं लड़ी जायेगी।

संभवतः इस बजट के माध्यम से श्री गहलोत एक तीर से कई शिकार करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। एक तरफ उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने की नीति चलाई है तो दूसरी तरफ महिल वर्ग को सन्तुष्ट करने का प्रयास किया है और साथ ही किसान व गरीब वर्ग के लोगों के बीच अपनी लोकप्रियता बढ़ाने की जुगत लाई है। इसे देखकर कहा जा सकता है कि श्री गहलोत ने दिसम्बर की चुनौती लड़ाई को बहुत पेंचदार और घुमावदार बना दिया है और फिलहाल अपने सभी आलोचकों को चुप करा दिया है।

आज का राशिफल

मेष :- कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाओं का फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास करें।

वृषभ :- बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्धेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव।

मिथुन :- दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नहीं देता। अतरु उक्त स्वभाव को छोड़ें। किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। पारिवारिक संबंधों में कटुता जैसी स्थिति न बनने दें।

कक :- कायक्षेत्र में क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। जरूरी काम समय से पूर्ण करें।

सह - रोजाना तो स जुड़ लोगो को
 व्यस्तता बढ़ेगी। मित्रत्व संबंधों की
 लाभ मिलेगा। अच्छी भावनात्मक
 अभिव्यक्ति से संबंध मधुर होंगे। असीमापूर्ण
 प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मनाना
 लाभ से वंचित करेगा।

कन्या - किसी नयी दिशा में
 सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।
 पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन
 को कष्ट संभव। रोजगार की
 समस्याओं को लेकर मन परेशानी
 होगा। दूसरों की आलोचना न करें।

तुला :- नैतिक-अनैतिक आदि के बारे में सोचने वाला मन भौतिक परिवेश के साथ तालमेल बिटाने में असमर्थ होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। घर में खुशहाल स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :- जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न

धनु :- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीनभावना न आने दें। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान

मकर :- अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलेगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय

कुम्भ :- किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार क्षेत्र में नये अवसर उत्साह का संचार करेंगे। आदेश में जिये नये निर्णय से हानि संभव। जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति सतर्कता बरतें।

मीन :- ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अर्थे अवसर प्रदान करेंगी। कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्देशित करेंगी। आपकी शक्ति सम्प्रयायें खुद-ब-खुद सुलझ

गैस पाइपलाइन: अमेरिका-रूस में ठनी

अमेरिका के बारे में अक्सर कहा जाता है कि वह जिसका भी दोस्त हो उसे दुश्मन की ज़रूरत नहीं पड़ती। दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति होने का दावा करने वाला अमेरिका हमेशा अपने हितों को प्राथमिकता देता है और वक्त आने पर वह मित्र देशों की पीठ में छुरा घोंपने से भी परहेज नहीं करता। खुद को विश्व शांति मसीहा बताने वाले अमेरिका ने शांति का राग अलाप-अलाप कर हमेशा विध्वंस का खेल खेला है। उसने अफगानिस्तान, ईराक, लीबिया और कई देशों में जो वेध्वंस किया उसके बाद आज तक इन देशों में अशांति ही रही है। अमेरिका यूरोपीय देशों को अपना मित्र करा देता है। लेकिन उसने यूरोप की ही सांसें बंद करने की कोशिश की। यूरोप के अधिकतर देश रूस से नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन के जरिये आने वाली गैस पर निर्भर हैं। इसी गैस से यूरोपीय देश चलाएमान रहते हैं। लेकिन अमेरिका ने यूरोपीय देशों को ठप करने की साजिश रची। अमेरिकी पत्रकार सीमोर हर्ष की सनसनीखेज रिपोर्ट ने पूरी दुनिया में हंगामा खड़ा कर दिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका पाक्सवल्सिव रिपोर्ट से रूस के नेता

गया था कि यह धमाके उसी का किया
कराया है। सीमोर हर्ष की इस
एकसक्त्तिसि रिपोर्ट से रूस के तेवरर
तीखे हो गए हैं और उसने इस रिपोर्ट
की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने
की मांग करतें हुए अमेरिका के इस
तरह के आतंकी कृत्य से प्रभावित देशों
को मुआवजा दिए जाने की आवाज
बुलंद की है। यद्यपि अमेरिका गैस
पाइपलाइनों को नुकसान पहुंचाने की
सिद्धांतों को झूठा करार दे रहा है लेकिन
रिपोर्ट के तथ्य सीधा इशारा उसकी
तरफ ही कर रहे हैं। रिपोर्ट सामने
आने के बाद अमेरिका और रूस में
तनाव बढ़ गया है। इस तनाव का



रूस-यूक्रेन युद्ध पर कितना असर पड़ेगा यह भविष्य ही बताएगा। जहाँ तक सीमोर हर्ष की प्रकाशिता का



पहुँचती है। इस पाइपलाइन के जरिये जर्मनी और अन्य देशों को सस्ती गैस मिलती है। यूरोपीय देशों में घरेलू गैस

देशों के लिए खतरा है और इससे जलवायु को काफी खतरा है। जबकि असली कारण यह है कि रूस द्वारा जर्मनी और नाटो देशों में गैस की आपूर्ति शुरू होने से अमेरिका को अपन बड़ा बाजार खोने का डर सताने लगा था। अमेरिका यूरोप में तेल की बिक्री बढ़ाना चाहता है। अमेरिका की शह पर ही बिना मंजूरी नॉर्ड स्ट्रीम-2 के निर्माण पर रूसी कंपनी ग्रेज प्रेम पर छोटा जुर्माना लगाकर राजनीतिक युद्ध छेड़ दिया था। नाटो देश जर्मनी पर इस बात के लिए दबाव डाल रहे थे कि वह पाइपलाइन योजना से अलग हो जाए। अमेरिका ने एक के बाद एक रूस पर प्रतिबंध लगाए लेकिन रूस ने युद्ध के परवाह नहीं की। यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते इस बात की आशंकाएँ पैदा हो गई थी कि अगर रूस ने गैस स्पलाई लाइन बंद कर दी तो यूरोप के देशों में हाहाकार मच जाएगा। जर्मनी ने अमेरिका को साफ कर दिया था कि पाइपलाइन का मुद्दा विशुद्ध रूप से आर्थिक है। रूस भी अपने कुल बजट का लगभग 40 फीसदी हिस्सा तेल और गैस की बिक्री से प्राप्त करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भी अमेरिका

इस पाइपलाइन को

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोकसभा में 85 मिनट तक भाषण दिया और 2004 से 2014 के बीच की यूपीए सरकार के कार्यकाल को घोटालों का रसाक कहा। उन्होंने एक के बाद एक घोटाले गिनाए और कहा कि वह भारत के लिए मौका था, लेकिन कांग्रेस ने उस मौके को मुसीबत में बदल दिया। उन्होंने कहा कि आईटी में मौका बना तो 2जी घोटाला हो गया। ईंधन में मौका बना तो कोयला घोटाला हो गया। कॉमनवेल्थ खेल हुआ तो खेल घोटाला। रक्षा में मौका बना तो हेलीकॉप्टर घोटाला हो गया।

उत्तरी भाषण से एक दिन पहले विशिष्टकर प्रसाद ने प्रेस कांफ्रेंस करके आरोप लगाया और कहा कि राहुल गांधी, उनकी माँ और बहनोई जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने राहुल से यह भी पूछा कि उनके बहनोई इतने अमीर कैसे हुए। ऐसा लगता है कि विशिष्टकर प्रसाद इस बात से बहुत नाराज हो गए थे कि गौतम अदानी के रातों रात अमीर होने के बारे में राहुल गांधी ने कैसे सवाल किया। इसलिए वे कांग्रेस पार्टी और नेहरू-गांधी परिवार के प्रति जितनी संभव हो सकती थी उतनी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करके हमला किया। पर सवाल है कि चाहे विशिष्टकर प्रसाद ने बताए हों या प्रमाणमन्त्री मोदी ने गिनाए हों पर उन घोटालों में हुआ क्या?

[illegible]

डीएमके के नेताओं के यहां छापे डलवाए थे और उनको गिरफ्तार किया था। लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार में सब कुछ गूँगू। निचली अदालत से बरी किया जाते के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दी गई है। लेकिन वह औपचारिकता ही है। इसी तरह कॉमनवेल्थ खेल घोटाले में उस समय के ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष और कांग्रेस सांसद सुरेश कलमाडी को कांग्रेस की सरकार ने गिरफ्तार किया था और खेल संस्थानों से जुड़े अनेक अन्य लोग भी पकड़े गए थे। लेकिन बाद में सब रिहा हो गए और नौ साल से काम कर रही मोदी सरकार ने कोई सुध नहीं ली है। इसको आरोपियों को सजा दिलाई जाए। कथित कोयला घोटाला तीन लाख करोड़ रूपए का बताया जा रहा था लेकिन उस समय के कोयला सचिव

एचसी गुप्ता को छोड़ दें तो पिछले नव साल में किसी की खिलाफ कार्रवाई होने की सूचना नहीं है। हेलेनॉक्टोप घोटाला हो या इसरो घोटाला हो आदर्श घोटाला हो, जिन पर राजनीति करके केंद्र में भाजपा की सरकार बन गई है उनमें से किसी मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। रविशंकर प्रसाद पूछ रहे थे कि राहुल के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा कैसे अमीर हुए? पिछले 19 साल से यह सवाल पूछा जा रहा है और नव साल से भाजपा की सरकार है, जिसमें कई साल रविशंकर प्रसाद भी मंत्री रहे तो सरकार ने यह पता लगाने के लिए जांच क्यों नहीं कराई कि वाड्रा कैसे अमीर हुए? अगर कांग्रेस अदानी की अमीरी का राज पूछ रही है तो जेपीसी जांच की मांग कर रही है, भाजपा चाहे तो वाड्रा की जांच के लिए जेपीसी बना सकती है।

अनुशासन और तकनीकि के समावेश से हरा सकते है मधुमेह को डॉ० सुबोध जैन

प्रयाग दर्पण संवाददाता
प्रयागराज। आर एस एस डी आई का 12वां वार्षिक सम्मेलन आज ए. एम.ए कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुआ। सम्मेलन का विषय मधुमेह आज और कल है।सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए डॉक्टर सुबोध जैन ने कहा कि यह वार्षिक सम्मेलन मधुमेह के क्षेत्र में नवीनतम विकास व अनुसंधान से विशेषज्ञ चिकित्सको को अवगत कराता है। यह सम्मेलन चिकित्सकों के विचारों का आदान–प्रदान करने और मधुमेह को बेहतर समझने में और रोगियों को बेहतर से बेहतर इलाज देने की प्रक्रिया समझने यनित नए सुधार के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं. मधुमेह के बारे में रिसर्च के माध्यम से ज्ञान और समझ बहुत तेजी से बदल रही है। पैथोफिजियोलॉजी की बुनियादी बातों से लेकर नवीन विधाओं के विकास तक पिछले दशक में मधुमेह के इलाज करने के तरीके में एक अमूल्यपूर्ण परिवर्तन देखा गया है। मूल सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान आर एस एस डी आई का एक अभिन्न अंग है और सम्मेलन शोधकर्ता और युवा छात्रों को अपना



शोध कार्य प्रस्तुत करने और अन्य शोधकर्ताओं के साथ पेपर प्रस्तुति सत्र में बातचीत करने के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।नगर के वरिष्ठ मधुंमेह रोग विशेषज्ञ एवं आर०एस०एस०डी०आई० सम्मेलन 2023 के आयोजन अध्यक्ष डॉ० सुबो्ध I जैन ने बताया कि ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स के उपयोग से मधुमेह रोग के इलाज में आरम्भिक अवस्था

में ही रोग की रोकथाम संभव हो सकती है। डॉ० मुकुलेश गुप्ता ने अपने व्याख्यान में मधुमेह से पीड़ित हृदय रोगियों को अपने आहार पर नियंत्रण के साथ–साथ ही सभी पैथोलॉजिकल टेस्ट नियमित रूप से कराने की सलाह दी व उपचार से उन्हें नारमल रेन्ज में मनाये रखने वाली औषधियों अथवा इन्सुलिन के प्रयोग को नियमित रूप से लेने का

सुझाव दिया। डा. आनन्द शंकर ने वजन नियंत्रण पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि मधुमेह के रोगियों में नियमित व्यायाम करना चाहिए व पौष्टिक आहार व नियमित दिनचर्या का पालन करना चाहिए। डॉ० एल०श्रीनिवास मूर्ति ने फ़ीसीजन मेडिसिन द्वारा मुधमेह के विभिन्न प्रकारों का निदान किस प्रकार संभव है विषय पर व्याख्यान दिया।

जिलाधिकारी ने समाधान दिवस पर करछना थाने में सुनी जनता की समस्यायें

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने समाधान दिवस के अवसर पर थाना करछना पहुंचकर जनता की शिकायतों को सुना तथा शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने के निर्देश दिए। समाधान दिवस में कुल 07 शिकायतें आईं, जिसमें से 01 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया गया। कार्य में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी ने लेखपाल नवीन श्रीवास्तव का वेतन रोकने एवं कानूनगो अमित पाठक से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिाकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों का शीर्ष प्राथमिकता पर निर्धारित समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण



निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कहा कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता कतई क्षम्य नहीं होगा। इस अवसर

प्रियंका गांधी ने भेजा उर्स मुबारक संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय कांग्रेस की महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने अटाला स्थित हजरत शाह इनायत उल्लाह शाह शहीद रहमत उल्लाह अलेहे का उर्स मुबारक का संदेश भेजा है।दरगाह के सज्जादा नशीन सिलसिले आलिया मो अकील कुरैशी के नाम भेजे संदेश– पत्र में उन्होंने तीन दिनों तक चलने वाले पवित्र उर्स में शामिल होने देश–विदेश से आये जायरीनो को मुबारकबाद और सलामती की दुआ की। इस मुबारक मौके पर अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने भी लखनऊ कार्यालय से चादर भेजी और भाई–चारा बरकरार रखने का पैगाम दिया।प्रियंका का पत्र अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष अरशद अली ने मुतवल्ली को सौंपा और उनका सन्देश पढ़ा। इस मुबारक मौके पर कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव फुजैल हाशमी ने मजार शरीफ पर चादर चढ़ाई और मुल्क में अमन और शांति की दुआ मांगी।इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता तालिब अहमद, शहर उपाध्यक्ष परवेज सिद्दिकी, हाजी आकताब अहमद कुरैशी, महफूज अहमद, नफीस कुरैशी, तबरेज अहमद, मो हसीन, मो. अकमल, अरमान कुरैशी, मुख्तार अहमद , जाकिर हुसैन, जाहिद नेता, गुलाम वारिस, मुस्तकीन कुरैशी, मो आरीफ, परवेज खान, सहित भारी संख्या में अकीदत मद मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा बहाई: डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड़

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर के तत्वाधान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर सर्वप्रथम बालसन चौराहे स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पार्क में लगी उनकी मूर्ति पर उन्हें माल्यार्पण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉक्टर नरेंद्र कुमार सिंह गौड़ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन पर दर्शन डाला और कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की धारा बहाई थी। उन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन एवं अंत्योदय का सिद्धांत दिया जिनके विचारों से आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरानी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का संपूर्ण जीवन राष्ट्र प्रति समर्पित रहा और उनके विचार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करती है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के



कार्यकर्ताओं के द्वारा महानगर के 1297 बूथों पर समर्पण निधि को अर्पित करते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 55वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन कुंज बिहारी मिश्रा एवं धन्यवाद मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट प्रति समर्पित रहा और उनके विचार भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रेरित करती है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के

दीनदयाल उपाध्याय के जीवन पर दर्शन डाला।श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में गिरि बाबा,वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, रमेश पासी, विवेक अग्रवाल, सुभाष वैश्य,मोला तिवारी, पार्षद आशीष गुप्ता, मृत्युंजय तिवारी, पदुम जायसवाल सचिन जायसवाल, अनुपम मालवी, विजय श्रीवास्तव एवं महिला, युवा पिछड़ा वर्ग अनुसूचित एवं मंडल के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल रहे।

बेहतर सेवा देता रहेगा प्रयागराज का डॉंग केयर सेण्टर: श्रृंखल चंद्रा

प्रयागराज। 40 साल पहले पूर्व नगर निगम पशुधन अधिकारी डॉ श्रीश चंद्रा ने तब इलाहबाद के पन्ना लाल रोड पर डॉंग केयर सेंटर की स्थापना किया था। उस समय डॉ चंद्रा मानवीय तरीके से स्ट्रीट डॉंग का इलाज करते थे साथ में डॉंग प्रेमियों के डॉंग का भी इलाज करते थे। यहाँ तक कि डॉ चंद्रा सायकिल से दूर दूर तक इलाज करने जाया करते थे। पिछले साल नवम्बर में डॉ श्रीश चंद्रा का देहावसान हो गया तो लोगों को लगा कि अब डॉंग केयर सेंटर पर उनको सर्विस कैसे मिलेगी ? फिर भी डॉ चंद्रा के चाहने वालों ने उम्मीद नहीं छोड़ी और डॉ चंद्रा के पुत्र श्रृंखल चंद्रा का एक बयान आया। श्रृंखल चंद्रा के अनुसार पिता के देहावसान से डॉंग प्रेमियों को बहुत दुःख हुआ साथ में यह बड़ी क्षति हुई। लेकिन पिता जी की स्मृतियों को संजो कर हमने कुशल डॉक्टर की टीम को रखा है और डॉंग केयर सेण्टर अनावरत लोगों को वही सेवा देता रहेगा जो उनके पिता डॉ श्रीश चंद्रा के समय मिलता था। श्रृंखल चंद्रा के अनुसार हर साल डॉंग केयर सेण्टर फ्री रैबीज कम्प का आयोजन कराता था वह जारी रहेगा। इसके आलावा डॉंग केयर सेण्टर एम्बुलेंस से स्ट्रीट डॉंग या पर्सनल डॉंग को उचित सर्विस देने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा डॉ चंद्रा के हर उस सपने को डॉंग केयर सेण्टर पूरा करेगा जो उन्होंने देखा था। श्रृंखल चंद्रा ने बताया कि डॉ चंद्रा ने देश विदेश में पेट्टे प्रोग्राम में प्रतिभाग करके कई अवार्ड जीते जिससे प्रयागराज का भी नाम ऊपर तक गया। डॉ चंद्रा ने समाजसेवा में नया काम किया और पशुधन अधिकारी रहते हुए उनके ऐतिहासिक काम आज भी सबको याद हैं, जिसमें पब्लिक पार्टनरशिप के तहत पार्कों की देख रक्ष और स्टाटर हाउस प्रमुख तौर पर शामिल है।

कृषि जगत के लिए अमृत काल का बजट अमृत के समान: गणेश केसरवानी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा किसान मोर्चा के तत्वाधान में फतेहपुर घाट पुरामुफ्ती में किसान पंचायत बजट का सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा महानगर अध् यक्ष गणेश केसरवानी ने उपस्थित किसानों से कहा कि मोदी सरकार के द्वारा लाई गई अमृत काल का प्रथम बजट वास्तव में कृषि जगत के लिए अमृत के समान है और समृद्धि शाली भारत का निर्माण करेगा।



जानकारियां उपलब्ध होगी। एग्री का स्टार्टअप को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस बार मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए अलग से योजना की शुरुआत की है। इस योजना का नाम से श्री अन्य योजना नाम दिया गया है। जिसके इन्फ्राक्चरस प्लेटफार्म तैयार किया जाएगा। जिससे किसानों के लिए उनकी जरूरत से जुड़ी सारी

मोर्चा के जिला प्रभारी सौरभ पांडे ने कृषि बजट पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंह ने करते हुए आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, अंजनी कुमार सिंह, अरुण सिंह, जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र पासी, मलखान सिंह, सचिन मिश्रा, आयुष अहलहरी, शहीद किसान मोर्चा के सभी पदाधिाकारी और किसान भाई उपस्थित रहे।

नए बजट में टैक्स प्रावधानों का हुआ संपूर्ण विश्लेषण

प्रयागराज। इलाहाबाद मैनेजमेंट



एसोसिएशन द्वारा यूनियन बजट 2023 में प्रत्यक्ष करों में बदलाव विषय पर एक संवाद का आयोजन ईस्टर्न यूपी चौबर्स ऑफ कॉमर्स के सहयोग से किया गया।इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन देश में मैनेजमेंट की शीर्ष संस्था ऑल इण्डिया मैनेजमेंट एसोसिएशन का प्रयागराज शहर का चौप्टर है और मैनेजमेंट के क्षेत्र मे ज्वलंत मुद्दों पर काम करता है। आज के अयोजन का संचालन इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि प्रकाश द्वारा किया गया।आयोजन के विशिष्ट वक्ता, डॉ एन सी अग्रवाल ने बजट के विभिन्न बिंदुओं में चर्चा करते हुए विस्तार से बताया। उन्होंने नौकरी पेशा, व्यापारी और व्यवसाई वर्ग के लिए टैक्स प्रावधानों को विस्तार से वर्णन करते हुए संपूर्ण विश्लेषण प्रस्तुत किया।जैसे एमएसएमई क्षेत्र में लघु और अति लघु उद्योगों में नगदी प्रवाह के लिए आयकर की धारा के लिए 43बी में संशोधन किया गया है। साथ ही इनकम टैक्स अपील की प्रक्रिया अब फेसलेश कर दी गई है।पिवाद से विश्वास स्कीम के कारण भी तक अपीलों का निस्तारण नहीं किया जा रहा था। अभी इनकम टैक्स अपील में वर्चुअल हियरिंग का प्रावधान किया गया है।वर्चा में इलाहाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन के साथ साथ ईस्टर्न यूपी चौबर्स ऑफ कॉमर्स के सदस्य सीधेश सिंह, पीआरओ डाक्टर शांति चौधरी सहित कई अन्य गणमान्य सदस्य अपूर्व आगा, वाई पी गुप्ता, तरुण जग्गी, जी के खरे , रत्नेश दीक्षित सहित लगभग 60 लोग उपस्थित रहे।

मुकदमे में समझौता नहीं करने पर रास्ते में घेरकर पीटा

घोसी, मऊ। स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत भैरोपुर खुरमा में वर्ष 2020 में दर्ज एक मुकदमे में सुलह समझौता न करने पर आरोपियों ने वादी व उसके साथी को शादी समारोह से लौटते समय रास्ते में घेरकर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय कोतवाली अन्तर्गत भैरोपुर खुरमा परानपुर निवासी हरेराम चौहान पुत्र जयराम चौहान ने कोतवाली पुलिस को तहसीर देते हुए बताया कि विगत 9 फरवरी 2023 की देर शाम करीब साढ़े सात बजे गांव के ही मोतीलाल के यहां शादी समारोह में रामचरण पुत्र धरमू के साथ गया हुआ था। निमंत्रण से वापस आते समय रास्ते में ही गांव निवासी प्रभु नारायण यादव व शिवनारायण यादव पुत्रगण रामचन यादव, किशन यादव व शिव यादव पुत्रगण शिवनारायण यादव व लालू यादव पुत्र प्रभु नारायण यादव ने रास्ते में ही दोनों को घेर लिया व वर्ष 2020 में दर्ज एक मुकदमे में समझौता करने के लिए कहने लगे व मना करने पर मा बहन की गाली देते हुए बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित की तहसीर पर कोतवाली पुलिस ने पांचों आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

रामचरित मानस पर सियारी बयानों की खुलेगी कलई
c:kjktA यूपी में पर्यटन उद्योग को पंख लगेंगे। योगी सरकार द्वारा आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पर्यटन के क्षेत्र में निवेशको की गहरी रुचि देखने को मिली है। इन्वेस्टर्स समिट में पर्यटन विभाग के लिए 1.17 लाख करोड़ रुपये के निवेश मिले हैं। पर्यटन में भी धार्मिक पर्यटन की असीम संभावनाओं को देखते हुए इसे बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने प्रयास तेज कर दिए हैं। कुम्भ नगरी प्रयागराज में राम गमन पथ के एक स्थल श्रृंगवेरपुर में रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। यूपी में इको टूरिज्म और धार्मिक पर्यटन की अपार सम्भावनायें हैं। इन संभावनाओं का सम्बन्ध प्रदेश में राम गमन पथ से जुड़े धार्मिक स्थलों से भी है। प्रयागराज में भगवान् राम और निषादराज के निवन के साक्षी रहे श्रृंगवेरपुर में धार्मिक पर्यटन की संभावनाओ को देखते हुए रामायण कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है।

लोक अदालत में 169799 वादों का रिकॉर्ड निस्तारण

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधि िक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार शनिवार को जिला विधि िक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद के तत्वााान में जनपद न्यायालय इलाहाबाद व समस्त तहसीलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाध् पेश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इलाहाबाद संतोष राय द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गयाद्य राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 169799 वादों का निस्तारण किया गया। जनपद न्यायाधीश इलाहाबाद संतोष राय द्वारा 31 सिविल वाद निस्तारित किए गए। फौजदारी के कुल 3060 वादों का निस्तारण किया गया। आर्बिट्रेशन के 09 वाद निस्तारित किए गए। पारिवारिक न्यायालय श्रीमती निशा सिंह, श्रीमती रश्मि सिंह, श्रीमती मिताली गोविंदवार्य व प्रदीप कुमार के द्वारा कुल 45 वादों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर किया गया।



मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण पीठासीन अधिकारी सुनील कुमार पंचम व बुद्धि सागर मिश्रा के द्वारा 190 वादों का निस्तारण किया गया। विकास श्रौवास्तव अपर जनपद न्यायाधीश ई सी एवट के द्वारा विद्युत के 90 मामलों का निस्तारण किया गया। दिनेश कुमार गौतम मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के द्वारा 1756 वाद सुरेश कुमार दुबे अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कक्ष संख्या दो के द्वारा 1049 वाद श्रीमती जया प्रदर्शनी वर्चुअल कोर्ट ट्रैफिक के द्वारा कुल